UPSC MAINS · ANSWER PRACTICE

Polity & Governance · GS - II

मृत्युदंड के संदर्भ में

राष्ट्रीय सुरक्षा , आपराधिक
न्याय और मानवाधिकारों के बीच

संतुलन स्थापित करने की

चुनौतियों की चर्चा कीजिए।

EXAM YEAR

DAILY PRACTICE 25/10/2026

PAPER

GS - II

SUBJECT

Polity & Governance

MARKS

10

WORD LIMIT

~150 words

Answer Hint

जीवन का अधिकार , निवारक प्रभाव , आतंकवाद , निष्पक्ष सुनवाई ,
न्यायिक सुरक्षा , मानवाधिकार।

Model Answer

भूमिका :

मृत्युदंड एक विवादास्पद विषय है, जिसमें राष्ट्रीय सुरक्षा ,
न्याय , अपराधों की रोकथाम और मानवाधिकारों के संरक्षण के बीच
संतुलन आवश्यक है।

प्रमुख चुनौतियाँ

राष्ट्रीय सुरक्षा : सरकारें आतंकवाद और गंभीर अपराधों से
निपटने के लिए कठोर दंड को आवश्यक मान सकती हैं।
जीवन का अधिकार : मृत्युदंड मानवीय गरिमा और जीवन के
अपरिवर्तनीय नुकसान से जुड़े प्रश्न उठाता है।

www.becomeias.com YouTube: becomIAS | Instagram: howtobecomeias

न्यायिक निष्पक्षता : गलत जाँच, कमजोर
कानूनी सहायता और गलत दोषसिद्धि के
कारण निर्दोष व्यक्ति को दंड मिलने का
जोखिम रहता है।
निवारक प्रभाव : कठोर दंड मात्र से
आतंकवाद और हिंसक अपराधों के मूल कारण
समाप्त नहीं होते।
दुरुपयोग की आशंका : कमजोर संस्थागत
जवाबदेही से मनमाने या चुनिंदा अभियोजन
का खतरा बढ़ सकता है।

आगे की राह:

निष्पक्ष सुनवाई , प्रभावी कानूनी सहायता ,
स्वतंत्र जाँच, न्यायिक निगरानी और सुरक्षा
एजेंसियों की जवाबदेही सुनिश्चित की जानी
चाहिए। साथ ही, कट्टरपंथ को रोकने और खुफिया
तंत्र को मजबूत करने पर ध्यान देना चाहिए।

निष्कर्ष :

राष्ट्रीय सुरक्षा और मानवाधिकारों के बीच
संतुलन के लिए न्यायसंगत कानून , जवाबदेह
संस्थाएँ और विधिसम्मत प्रक्रिया आवश्यक
हैं।

www.becomeias.com YouTube: becomIAS | Instagram: howtobecomeias